



हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

(पूर्व नाम- दुर्ग विश्वविद्यालय, दुर्ग)

रायपुर नाका दुर्ग (छ.ग.)-491001

ई मेल : registrar@durguniversity.ac.in वेबसाइट : www.durguniversity.ac.in

दूरभाष : 0788-2359100

क्र. 1754 / परीक्षा / पी-एचडी / प्रवेश / 2023

दुर्ग, दिनांक 14.11.2023

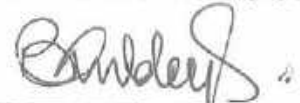
// अधिसूचना //

पी-एच.डी. शोध उपाधि प्रवेश परीक्षा सत्र 2023-24

अध्यादेश-45 के प्रावधान अनुसार पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा 2023 के लिये इच्छुक आवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित करने निम्नानुसार अधिसूचित किया जाता है:-

1. पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा 2023 हेतु निम्नलिखित विषयों में आवेदन पत्र आमंत्रित किया जाता है:-
गृहविज्ञान, बायोटेक्नालॉजी, माइक्रोबायोलॉजी, समाजशास्त्र, वनस्पतिशास्त्र, भौतिकशास्त्र, भू-विज्ञान, प्राणीशास्त्र, इतिहास, भूगोल, राजनीतिविज्ञान, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान, गणित, वाणिज्य, हिन्दी, रसायनशास्त्र, शिक्षा।
2. प्रवेश परीक्षा 2023 हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की तिथि दिनांक 16.11.2023 से 25.11.2023 निर्धारित की जाती है। ई-मेल अथवा स्पीडपोस्ट/कोरियर/रजिस्टर्ड पोस्ट से प्रेषित आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे। आवेदक को स्वयं उपस्थित होकर आवेदन पत्र की हार्ड कापी दिनांक 28.11.2023 तक हेमचंद यादव विश्वविद्यालय के पी-एच.डी. सेल में जमा करना होगा। आवेदन की हार्डकापी जमा नहीं करने वाले आवेदकों के आवेदन स्वतः निरस्त कर दिए जायेंगे।
3. आवेदन पत्र विश्वविद्यालय के वेबसाइट www.durguniversity.ac.in - Quick Links - Ph.D. Entrance Exam. Form-2023-24 पर जाकर रु. 800/- शुल्क सहित ऑनलाईन माध्यम से दिनांक 16.11.2023 से 25.11.2023 तक भरे जायेंगे।
4. पी-एच.डी. सेल, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय आवेदन पत्र स्वीकार करते समय यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि आवेदक ने समस्त जानकारीयों का उल्लेख आवेदन पत्र में किया है तथा समस्त आवश्यक दस्तावेज संलग्न किया है।
5. प्रवेश परीक्षा केन्द्र तथा प्रवेश परीक्षा की तिथि की घोषणा पृथक से की जाएगी जिसे विश्वविद्यालय के वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा। प्रवेश परीक्षा की तिथि घोषित होने के पश्चात संबंधित परीक्षार्थियों के प्रवेश पत्र विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाईन माध्यम से जारी किए जायेंगे।
6. आवेदन फार्म को समस्त अनिवार्य दस्तावेजों सहित जमा करना अनिवार्य होगा।
7. पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन करने के लिए सामान्य वर्ग के अभ्यर्थियों को स्नातकोत्तर स्तर पर 55% एवं अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/निःशक्तजनों को स्नातकोत्तर स्तर पर 50% अंक होना अनिवार्य है।
8. परीक्षार्थियों को ऑनलाईन आवेदन करने के पश्चात उसके प्रिंट आउट के साथ अनिवार्य दस्तावेजों के रूप में 10वीं, 12वीं, स्नातक तथा स्नातकोत्तर के प्रत्येक वर्ष की अंक सूची, नेट/सेट/अन्य प्रवेश परीक्षा से छूट हेतु प्रमाण पत्र/अंकसूची, एम.फिल अंक सूची (यदि हो तो), जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आधार कार्ड आदि की छायाप्रति संलग्न करना अनिवार्य होगा।
9. प्रवेश परीक्षा से छूट की पात्रता का परीक्षण विश्वविद्यालय द्वारा गठित समिति द्वारा किया जायेगा। आवेदक परीक्षा के पूर्व छूट को सुनिश्चित कर लेंगे।

10. ऐसे आवेदक जो स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष/अंतिम सेमेस्टर की परीक्षा में सम्मिलित हो चुके हैं, पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा हेतु आवेदन कर सकेंगे। किन्तु स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष/सेमेस्टर का परिणाम घोषित होने के पश्चात ही पात्रानुसार पी-एच.डी. पाठ्यक्रम में प्रवेश प्रदान किया जा सकेगा।
11. अभ्यर्थी आवेदन करने के पूर्व भारत का राजपत्र (असाधारण) सं. 544 नई दिल्ली, दिनांक 07.11.2022 में उल्लेखित पात्रता अनुसार ही पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा हेतु अपनी योग्यता सुनिश्चित कर आवेदन प्रस्तुत करें। (प्रतिलिपि संलग्न)
12. आवेदन पत्र जमा करते समय यह सुनिश्चित कर लिया जाये कि आवेदक ने समस्त जानकारियों का उल्लेख आवेदन पत्र में किया है तथा समस्त आवश्यक दस्तावेज संलग्न किया है। पूर्ण पता पिन कोड सहित एवं मोबाइल नम्बर लिखा होना चाहिये।
13. अपूर्ण/अधूरे/अयोग्य आवेदन स्वयमेव में निरस्त माने जायेंगे जिसके लिए परीक्षार्थी स्वयं जिम्मेदार होगा।
14. प्रवेश पत्र (Admit Card) विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.durguniversity.ac.in पर परीक्षा तिथि से 05 दिन पूर्व जारी किया जाएगा।
15. परीक्षा के पूर्व विषयवार प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने वाले एवं प्रवेश परीक्षा से छूट प्राप्त परीक्षार्थियों की सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.durguniversity.ac.in पर अपलोड की जायेगी।
परीक्षा पद्धति - पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा में सभी प्रश्न पत्र केवल बहुविकल्पीय (वस्तुनिष्ठ प्रश्न) होंगे।
16. छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को ही आरक्षण का लाभ प्राप्त होगा। अतः आरक्षित वर्ग के अभ्यर्थी अपने आवेदन के साथ जाति एवं मूल निवास प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से संलग्न करें।
17. अंग्रेजी तथा हिन्दी में मुद्रित प्रश्नों में किसी प्रकार का अंतर होने पर अंग्रेजी में मुद्रित प्रश्न ही अंतिम माने जायेंगे।
18. पी-एच.डी. प्रवेश परीक्षा में योग्य अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय द्वारा Ph.D. Eligibility Certificate प्रदान किया जावेगा जिसकी वैधता परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से 2 वर्ष की होगी।
19. विश्वविद्यालय के शोध निर्देशकों के पास उपलब्ध रिक्त सीटों का विवरण प्रवेश परीक्षा के परिणाम घोषित होने से पूर्व विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर देखा जा सकता है।
20. विभागीय शोध समिति (DRC), समस्त शोध निर्देशकों के अधीन शोधार्थियों के प्रवेश के समय छत्तीसगढ़ शासन के आरक्षण नियम का पालन करना सुनिश्चित करेंगे।
21. शोध केन्द्रों को यह निर्देशित किया जाता है कि वे योग्य अभ्यर्थी को पी-एच.डी. में प्रवेश देने के पूर्व छत्तीसगढ़ राज्य के बाहर के विश्वविद्यालयों एवं छ.ग. के निजी विश्वविद्यालयों से अध्ययन कर आने वाले अभ्यर्थियों को विश्वविद्यालय पात्रता प्रमाण पत्र अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ही प्रवेश देंगे।
22. शोध निर्देशकों के अधीन कुल शोधार्थियों की संख्या - सहा. प्राध्यापक-04, सह-प्राध्यापक-06 तथा प्राध्यापक-08 होगी।
23. प्रवेश परीक्षा में योग्य घोषित होने पर शोध कार्य हेतु पंजीयन के लिये विश्वविद्यालय की बाध्यता नहीं होगी। यह शोध निर्देशक के अधीन सीट रिक्त होने तथा आवेदक द्वारा शोध निर्देशक की सहमति प्राप्त करने पर निर्भर होगा।



कुलसचिव

हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्रतिलिपि :-

1. अधिष्ठाता छात्र कल्याण/उपकुलसचिव/सहायक कुलसचिव, समस्त विभाग, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग।
2. सम्पादक, समस्त क्षेत्रों के समाचार पत्रों को सूचनार्थ ।
3. कुपलति के निज सहायक/कुलसचिव के निज सहायक, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) को सूचनार्थ ।
4. पी-एच.डी. शाखा, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग।
5. वि.वि. वेबसाईट प्रभारी, हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.) की वेबसाईट पर प्रदर्शित किये जाने हेतु सूचनार्थ ।



उपकुलसचिव

हेमचंद यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

17. इनपिलबनेट के साथ डिपॉजिटरी— पीएच.डी. उपाधि(यों) को अवार्ड करने हेतु मूल्यांकन प्रक्रिया के सफल समापन के पश्चात् तथा पीएच.डी. उपाधि को प्रदान किये जाने की घोषणा से पूर्व, संबंधित उच्चतर शिक्षण संस्थान पीएच.डी. शोध प्रबंधन की इलेक्ट्रॉनिक प्रति इनपिलबनेट के पास प्रदर्शित (होस्ट) करने के लिए जमा करेगा ताकि सभी उच्चतर और अनुसंधान संस्थानों को यह सुलभ हो।

रजनीश जैन, सचिव

[विज्ञापन-III/4/असा./367/2022-23]

**UNIVERSITY GRANTS COMMISSION
NOTIFICATION**

New Delhi, the 7th November, 2022

**University Grants Commission (Minimum Standards and Procedures for Award of Ph.D. Degree)
Regulations, 2022**

No. F. No. 1-3/2021(QIP).—In exercise of the powers conferred by clauses (f) and (g) of sub-section (1) of section 26 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956), and in supersession of the UGC (Minimum Standards and Procedure for Awards of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulations, 2016 and its amendments, the University Grants Commission hereby makes the following Regulations, namely: -

1. Short title, Application, and Commencement. —

- (1) These Regulations may be called University Grants Commission (Minimum Standards and Procedure for Award of Ph.D. Degree) Regulations, 2022.
- (2) They shall apply to every university established or incorporated by or under a Central Act, a Provincial Act, or a State Act, every college, and every institution deemed to be a University under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956.
- (3) They shall come into force from the date of their publication in the Gazette of India.

2. Definitions.- (1) In these Regulations, unless the context otherwise requires,-

- a) "Act" means the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956);
- b) "Adjunct Faculty" means a part-time or contingent instructor, but not full-time faculty member hired to teach by a Higher Educational Institution;
- c) "Cumulative Grade Point Average (CGPA)" means a measure of the overall cumulative performance of a student over all semesters. The CGPA is the ratio of total credit points secured by a student in various courses in all semesters and the sum of the total credits of all courses in all semesters. It is expressed up to two decimal places;
- d) "Credit" means the number of hours of instruction required per week over the duration of a semester. A three-credit course in a semester means three one-hour lectures per week, with each one-hour lecture counted as one credit;
- e) "College" means an institution engaged in higher education and/or research, either established by a University as its constituent unit or is affiliated with it;
- f) "Commission" means the University Grants Commission established under Section 4 of the UGC Act 1956;
- g) "Course" means one of the specified units which go to comprise a programme of study;
- h) "Course Work" means courses of study prescribed by the School/Department/ Centre to be undertaken by a student registered for the Ph.D. Degree;
- i) "Degree" means a degree awarded by a Higher Educational Institution in accordance with the provisions of section 22 (3) of the Act;
- j) "External examiner" means an academician/researcher with published research work who is not part of the Higher Educational Institution where the Ph.D. scholar has registered for the Ph.D. programme;
- k) "Foreign Educational Institution" means—(i) an institution duly established or incorporated in its home

country and offering educational programmes at the undergraduate, postgraduate and higher levels in its home country and (ii) which offers programme(s) of study leading to the award of a degree through conventional face-to-face mode, but excluding distance, online, ODL mode;

- l) "Grade Point" means a numerical weight allotted to each letter grade on a 10-point scale;
- m) "Guide/Research Supervisor" means an academician/researcher recognized by Higher Educational Institution to supervise the Ph.D. scholar for his/her research;
- n) "Higher Educational Institution" means a university or institution specified under clause 2 of Regulation 1 of these Regulations;
- o) "Interdisciplinary Research" means research conducted by a Ph.D. scholar in two or more academic disciplines;
- p) "Open and Distance Learning Mode" shall have the same meaning as defined under the UGC (Open and Distance Learning Programmes and Online Programmes) Regulations 2020;
- q) "Online Mode" shall have the same meaning as defined under the UGC (Open and Distance Learning Programmes and Online Programmes) Regulations 2020;
- r) "Plagiarism" means the practice of taking someone else's work or idea and passing them as one's own;
- s) "Programme" means a higher education programme pursued for a degree specified by the Commission under sub-section (3) of section 22 of the Act;
- t) "Prospectus" means any document, whether in print or otherwise, issued for providing fair and transparent information relating to a Higher Educational Institution and programmes, to the general public (including to those seeking admission in such Higher Educational Institutions) by the Higher Educational Institutions;
- u) "Research Proposal" means a brief write-up giving an outline of the proposed research work which the Ph.D. scholar shall submit along with the application for registration for Ph.D. programme;
- v) "University" means a Higher Educational Institution established or incorporated by or under a Central Act, a Provincial Act, or a State Act, and shall include any institution for higher education deemed to be a University under Section 3 of the Act.

(2) Words and expressions used and not defined in these Regulations but defined in Act and not consistent with these Regulations shall have the meanings assigned to them in that Act.

3. Eligibility criteria for admission to the Ph.D. Programme.—The following are eligible to seek admission to the Ph.D. programme:

(1) Candidates who have completed:

- i. A 1-year/2-semester master's degree programme after a 4-year/8-semester bachelor's degree programme or a 2-year/4-semester master's degree programme after a 3-year bachelor's degree programme or qualifications declared equivalent to the master's degree by the corresponding statutory regulatory body, with at least 55% marks in aggregate or its equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed

or equivalent qualification from a foreign educational institution accredited by an assessment and accreditation agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other statutory authority in that country to assess, accredit or assure quality and standards of the educational institution.

A relaxation of 5% marks or its equivalent grade may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC (non-creamy layer)/Differently-Abled, Economically Weaker Section (EWS) and other categories of candidates as per the decision of the Commission from time to time.

Provided that a candidate seeking admission after a 4-year/8-semester bachelor's degree programme should have a minimum of 75% marks in aggregate or its equivalent grade on a point scale wherever the grading system is followed. A relaxation of 5% marks or its equivalent grade may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC (non-creamy layer)/Differently-Abled, Economically Weaker Section (EWS) and other categories of candidates as per the decision of the Commission from time to time.

(2) Candidates who have completed the M.Phil. programme with at least 55% marks in aggregate or its

equivalent grade in a point scale wherever grading system is followed or equivalent qualification from a foreign educational institution accredited by an assessment and accreditation agency which is approved, recognized or authorized by an authority, established or incorporated under a law in its home country or any other statutory authority in that country to assess, accredit or assure quality and standards of educational institutions, shall be eligible for admission to the Ph.D. programme. A relaxation of 5% marks or its equivalent grade may be allowed for those belonging to SC/ST/OBC (non-creamy layer)/Differently-Abled, Economically Weaker Section (EWS) and other categories of candidates as per the decision of the Commission from time to time.

4. Duration of the Programme.- (1) Ph.D. Programme shall be for a minimum duration of three

(3) years, including course work, and a maximum duration of six (6) years from the date of admission to the Ph.D. programme.

(2) A maximum of an additional two (2) years can be given through a process of re-registration as per the Statute/Ordinance of the Higher Educational Institution concerned; provided, however, that the total period for completion of a Ph.D. programme should not exceed eight (8) years from the date of admission in the Ph.D. programme.

Provided further that, female Ph.D. scholars and Persons with Disabilities (having more than 40% disability) may be allowed an additional relaxation of two (2) years; however, the total period for completion of a Ph.D. programme in such cases should not exceed ten (10) years from the date of admission in the Ph.D. programme.

(3) Female Ph.D. Scholars may be provided Maternity Leave/Child Care Leave for up to 240 days in the entire duration of the Ph.D. programme.

5. Procedure for admission. -

(1) The admission shall be based on the criteria notified by the institution, keeping in view the guidelines/norms in this regard issued by the UGC and other statutory/regulatory bodies concerned, and taking into account the reservation policy of the Central/State Government from time to time.

(2) Admission to the Ph.D. programme shall be made using the following methods:

i. HEIs may admit students who qualify for fellowship/scholarship in UGC-NET/UGC- CSIR NET/GATE/CEED and similar National level tests based on an interview.

And/or

ii. HEIs may admit students through an Entrance Test conducted at the level of the individual HEI. The Entrance Test syllabus shall consist of 50% of research methodology, and 50% shall be subject-specific.

iii. Students who have secured 50 % marks in the entrance test are eligible to be called for the interview.

iv. A relaxation of 5 % marks will be allowed in the entrance examination for the candidates belonging to SC/ST/OBC/differently-abled category, Economically Weaker Section (EWS), and other categories of candidates as per the decision of the Commission from time to time.

v. HEIs may decide the number of eligible students to be called for an interview based on the number of Ph.D. seats available.

vi. Provided that for the selection of candidates based on the entrance test conducted by the HEI, a weightage of 70 % for the entrance test and 30 % for the performance in the interview/viva- voce shall be given.

(3) Universities and Colleges which are eligible to conduct Ph.D. programmes, shall:

i. Notify a prospectus well in advance on the institution's website specifying the number of seats for admission, subject/discipline-wise distribution of available seats, criteria for admission, the procedure for admission, and all other relevant information for the candidates;

ii. Adhere to the National/State-level reservation policy, as applicable.

(4) The Higher Educational Institution shall maintain a list of Ph.D. supervisors (specifying the name of the supervisor, his or her designation, and the department/school/centre), along with the details of Ph.D. scholars (specifying the name of the registered Ph.D. scholar, the topic of his/her research and the date of

admission) admitted under them on the website of the institution and update this list every academic year.

6. Allocation of Research Supervisor.- Eligibility criteria to be a Research Supervisor, Co-Supervisor, Number of Ph.D. scholars permissible per supervisor, etc.

- (1) Permanent faculty members working as Professor/Associate Professor of the Higher Educational Institution with a Ph.D., and at least five research publications in peer-reviewed or refereed journals and permanent faculty members working as Assistant Professors in Higher Educational Institutions with a Ph.D., and at least three research publications in peer-reviewed or refereed journals may be recognized as a Research Supervisor in the university where the faculty member is employed or in its affiliated Post-graduate Colleges/institutes. Such recognized research supervisors cannot supervise research scholars in other institutions, where they can only act as co-supervisors. Ph.D. awarded by a university under the supervision of a faculty member who is not an employee of the university or its affiliated Post-graduate Colleges/institutes would be in violation of these Regulations.

For Ph.D. scholars working in Central government/ State government research institutions whose degrees are given by Higher Educational Institutions, the scientists in such research institutions who are equivalent to Professor/Associate Professor/Assistant Professor can be recognized as supervisors if they fulfill the above requirements.

Provided that in areas/disciplines where there is no, or only a limited number of peer-reviewed or refereed journals, the Higher Educational Institution may relax the above condition for recognition of a person as Research Supervisor with reasons recorded in writing.

Co-Supervisors from within the same department or other departments of the same institution or other institutions may be permitted with the approval of the competent authority.

Adjunct Faculty members shall not act as Research Supervisors and can only act as co-supervisors.

- (2) In case of interdisciplinary/multidisciplinary research work, if required, a Co-Supervisor from outside the Department/School/Centre/College/University may be appointed.
- (3) An eligible Professor/Associate Professor/Assistant Professor can guide up to eight (8) / six (6) / four (4) Ph.D. scholars, respectively, at any given time.
- (4) In case of relocation of a female Ph.D. scholar due to marriage or otherwise, the research data shall be allowed to be transferred to the Higher Educational Institution to which the scholar intends to relocate, provided all the other conditions in these Regulations are followed, and the research work does not pertain to a project sanctioned to the parent Institution/Supervisor by any funding agency. Such scholar shall, however, give due credit to the parent institution and the supervisor for the part of research already undertaken.
- (5) Faculty members with less than three years of service before superannuation shall not be allowed to take new research scholars under their supervision. However, such faculty members can continue to supervise Ph.D. scholars who are already registered until superannuation and as a co-supervisor after superannuation, but not after attaining the age of 70 years.

7. Admission of International students in Ph.D. programme.-

- (1) Each supervisor can guide up to two international research scholars on a supernumerary basis over and above the permitted number of Ph.D. scholars as specified in clause 6.3 above.
- (2) The HEIs may decide their own selection procedure for Ph.D. admission of international students keeping in view the guidelines/norms in this regard issued by statutory/regulatory bodies concerned from time to time.
8. At any point, the total number of Ph.D. scholars under a faculty member, either as a supervisor or a co-supervisor, shall not exceed the number prescribed in clause 6.3 and clause 7.1.

9. Course Work.- Credit requirements, number, duration, syllabus, minimum standards for completion, etc.

- (1) The Credit requirement for the Ph.D. coursework is a minimum of 12 credits, including a "Research and Publication Ethics" course as notified by UGC vide D.O. No. F.1- 1/2018(Journal/CARE) in 2019 and a research methodology course. The Research Advisory Committee can also recommend UGC recognized online courses as part of the credit requirements for the Ph.D. programme.
- (2) All Ph.D. scholars, irrespective of discipline, shall be required to train in teaching /education /pedagogy/writing related to their chosen Ph.D. subject during their doctoral period. Ph.D. scholars may also be assigned 4-6 hours per week of teaching/research assistantship for conducting tutorial or laboratory work and evaluations.

- (3) A Ph.D. scholar must obtain a minimum of 55% marks or its equivalent grade in the UGC 10-point scale in the course work to be eligible to continue in the programme and submit his or her thesis.

10. Research Advisory Committee and its Functions.- (1) There shall be a Research Advisory Committee or an equivalent body as defined in the Statutes/Ordinances of the Higher Educational Institution concerned for each Ph.D. scholar. The Research Supervisor of the Ph.D. scholar concerned shall be the Convener of this committee, and this committee shall have the following responsibilities:

- i. To review the research proposal and finalize the topic of research.
- ii. To guide the Ph.D. scholar in developing the study design and methodology of research and identify the course(s) that he/she may have to do.
- iii. To periodically review and assist in the progress of the research work of the Ph.D. scholar.

(2) Each semester, a Ph.D. scholar shall appear before the Research Advisory Committee to make a presentation and submit a brief report on the progress of his/her work for evaluation and further guidance. The Research Advisory Committee shall submit its recommendations along with a copy of Ph.D. scholar's progress report to the Higher Educational Institution concerned. A copy of such recommendations shall also be provided to the Ph.D. scholar.

(3) In case the progress of the Ph.D. scholar is unsatisfactory, the Research Advisory Committee shall record the reasons for the same and suggest corrective measures. If the Ph.D. scholar fails to implement these corrective measures, the Research Advisory Committee may recommend, with specific reasons, the cancellation of the registration of the Ph.D. scholar from the Ph.D. programme.

11. Evaluation and Assessment Methods, minimum standards/credits for award of the degree, etc.-

- (1) Upon satisfactory completion of course work and obtaining the marks/grade prescribed in clause (3) of Regulation 9 above, the Ph.D. scholar shall be required to undertake research work and produce a draft dissertation/thesis.
- (2) Before submitting the dissertation/thesis, the Ph.D. scholar shall make a presentation before the Research Advisory Committee of the Higher Educational Institution concerned, which shall also be open to all faculty members and other research scholars/students.
- (3) The Higher Educational Institution concerned shall have a mechanism using well-developed software applications to detect Plagiarism in research work and the research integrity shall be an integral part of all the research activities leading to the award of a Ph.D. degree.
- (4) A Ph.D. scholar shall submit the thesis for evaluation, along with (a) an undertaking from the Ph.D. scholar that there is no plagiarism and (b) a certificate from the Research Supervisor attesting to the originality of the thesis and that the thesis has not been submitted for the award of any other degree/diploma to any other Higher Educational Institution.
- (5) The Ph.D. thesis submitted by a Ph.D. scholar shall be evaluated by his/her Research Supervisor and at least two external examiners who are experts in the field and not in employment of the Higher Educational Institution concerned. Such examiner(s) should be academics with a good record of scholarly publications in the field. Wherever possible, one of the external examiners should be chosen from outside India. The viva-voce board shall consist of the Research Supervisor and at least one of the two external examiners and may be conducted online. The viva-voce shall be open to the members of the Research Advisory Committee/faculty members/research scholars, and students. Higher Educational Institutions may formulate appropriate rules/ordinances to effect the provisions of this Regulations.
- (6) The viva-voce of the Ph.D. scholar to defend the thesis shall be conducted if both the external examiners recommend acceptance of the thesis after incorporating any corrections suggested by them. If one of the external examiners recommends rejection, the Higher Educational Institution concerned shall send the thesis to an alternate external examiner from the approved panel of examiners, and the viva-voce examination shall be held only if the alternate examiner recommends acceptance of the thesis. If the alternate examiner does not recommend acceptance of the thesis, the thesis shall be rejected, and the Ph.D. scholar shall be declared ineligible for the award of a Ph.D.
- (7) The Higher Educational Institution concerned shall complete the entire process of evaluating a Ph. D. thesis, including the declaration of the viva-voce result, within a period of six (6) months from the date of submission of the thesis.

12. Academic, research, administrative, and infrastructure requirements to be fulfilled by Colleges for getting recognition for offering Ph.D. programmes.-

- (1) Post-graduate Colleges offering 4-year Undergraduate Programmes and/or Post-graduate Programmes, may offer Ph.D. programmes, provided they satisfy the availability of eligible Research Supervisors, required infrastructure, and supporting administrative and research facilities as per these Regulations.
 - (2) Colleges and research institutions established by the central government or a State government whose degrees are awarded by Higher Educational Institutions shall offer Ph.D. programmes provided they have:
 - i. At least two faculty members in a college or two Ph.D.-qualified scientists in the research institution.
 - ii. Adequate infrastructure, administrative support, research facilities and library resources as specified by the HEI.
- 13. Ph.D. through Part-time Mode-**
- (1) Ph.D. programmes through part-time mode will be permitted, provided all the conditions stipulated in these Regulations are fulfilled.
 - (2) The Higher Educational Institution concerned shall obtain a "No Objection Certificate" through the candidate for a part-time Ph.D. programme from the appropriate authority in the organization where the candidate is employed, clearly stating that:
 - i. The candidate is permitted to pursue studies on a part-time basis.
 - ii. His/her official duties permit him/her to devote sufficient time for research.
 - iii. If required, he/she will be relieved from the duty to complete the course work.
 - (3) Notwithstanding anything contained in these Regulations or any other law, for the time being in force, no Higher Educational Institution or research institution of the Central government or a State Government shall conduct Ph.D. programmes through distance and/or online mode.
- 14. Grant of M.Phil. Degree.-** Higher Educational Institutions shall not offer the M.Phil.(Master of Philosophy) programme.
- 15. Issuing a Provisional certificate.-** Prior to the actual award of the Ph.D. degree, the degree-awarding Higher Educational Institution shall issue a provisional certificate to the effect that the Ph.D. is being awarded in accordance with the provisions of these Regulations.
- 16. Award of Ph.D. degrees prior to Notification of these Regulations.-** Award of degrees to candidates registered for the Ph.D. programme on or after July 11, 2009, till the date of Notification of these Regulations shall be governed by the provisions of the UGC (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulations, 2009 or the UGC (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil./Ph.D. Degrees) Regulations, 2016 as the case may be. Further, the award of degrees to candidates already registered and pursuing Ph.D. shall be governed by these Regulations or UGC (Minimum Standards and Procedure for Award of M.Phil./Ph.D. Degree) Regulations, 2016. Nothing in these Regulations shall impact the M.Phil. degree programmes commencing prior to the enactment of these Regulations.
- 17. Depository with INFLIBNET.-** Following the successful completion of the evaluation process and before the announcement of the award of the Ph.D. degree(s), the Higher Educational Institution concerned shall submit an electronic copy of the Ph.D. thesis to INFLIBNET, for hosting the same so as to make it accessible to all the Higher Educational Institutions and research institutions.

RAJNISH JAIN, Secy.

[ADVT.-III/4/Exty./367/2022-23]